भारतीय डाक विभाग

Department of Posts
India

भारतीय रिजर्व बैंक

01 अप्रैल, 1935 को स्थापित भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने 75वें वर्ष में प्रवेश किया है। भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना का मूल प्रयोजन अलग–अलग कार्य निष्पादित करने वाले प्राधिकारों का एकीकरण करना था जो अब तक सरकार के करेंसी विभाग और इम्पीरियल बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा निष्पादित किए जा रहे थे, ताकि देश के मौद्रिक रिजर्व का एकीकरण किया जा सके और अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुरूप उनका उपयोग किया जा सके।

भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना मुख्य तौर पर बैंकनोट्स के निर्गमन को विनियमित करने, मौद्रिक स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रिजर्व बनाए रखने, और देश के क्रेडिट एवं करेंसी सिस्टम को अपने फायदे के हिसाब से प्रचालित करने के लिए की गई थी। व्यापक तौर पर आज बैंक के फोकस बिन्दु निम्नानुसार हैं :

- मौद्रिक स्थिरता जिसमें ऐसी मौद्रिक नीति तैयार करना निहित है, जो टिकाऊ हो और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देती हो;
- वित्तीय स्थिरता जिसमें एक सुरक्षित, सुदृढ़, प्रतिस्पर्धी एवं सुलभ बैंकिंग एवं वित्तीय प्रणाली को बढ़ावा दिए जाने के लिए विनियमन और पर्यवेक्षण निहित हो और जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ अर्थव्यवस्था के विभिन्न संघटकों में क्रेडिट का पर्याप्त प्रवाह सुनिश्चित किया जाए;
- भुगतान प्रणाली के रीटेल अवयव के रूप में सत्यनिष्ठा, कार्य–कुशलता बनाए रखना सुनिश्चित करना;
- सरकार के लिए बैंकिंग एवं ऋण प्रबंधन जैसी सेवाओं की व्यवस्था करना;
- विकासात्मक भूमिका की दृष्टि से संस्थानों का निर्माण करना और बाजार का विकास करना एवं बाजार को सुदढ़ करना और अनुकूल परिवेश का निर्माण करना; और
- आर्थिक मुद्दों पर सरकार को परामर्श देना और बैंकिंग एवं वित्त के संबंध में प्राथमिक आंकड़े और भुगतान शेष के आंकड़े दूसरे संस्थानों को प्रदान करना।

भौगोलिक तौर पर कालांतर में केन्द्रीय बैंक की पहुंच बढ़ाने की दृष्टि से भारतीय रिजर्व बैंक ने वृद्धिपरक दृष्टिकोण अपनाया है और आवश्यकता महसूस होने पर नए कार्यालय खोले हैं। नए कार्यालय छत्तीसगढ़, झारखण्ड और उत्तराखण्ड के नवगठित राज्यों की विनिर्दिष्ट जरूरतों की पूर्ति करते हैं। इसके विकेन्द्रीकरण का मुख्य जोर स्थानीय विकास प्रक्रियाओं में भारतीय रिजर्व बैंक की भागीदारी अधिक से अधिक बढ़ाने के साथ–साथ यह सुनिश्चित करना रहा है कि इन क्षेत्रों की आबादी के सभी तबकों, विशेषकर कमजोर एवं उपेक्षित समूहों के वित्तीय सरोकारों पर पर्याप्त रूप से ध्यान दिया जाए।

इस बहुआयामी प्रयोजन के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं मानव संसाधन की दृष्टि से भिन्न–भिन्न अपेक्षाओं की जरूरत पड़ती है। इस कार्य–प्रयोजन को कामयाब बनाने में आज बैंक में विभिन्न श्रेणियों के लगभग 21,000 कर्मचारी हैं। इसकी अर्ध–संघीय संगठन संरचना है। इसका केन्द्रीय कार्यालय मुम्बई में है जिसमें 26 विभाग हैं। इसके 29 कार्यालय समूचे देश में है और मुख्यतया राज्यों की राजधानियों में स्थित हैं। काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कोलकाता स्थित इसके पहले मुख्यालय से लेकर मुंबई स्थित इसके वर्तमान मुख्यालय तक भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालयों के विभिन्न भवन यह दर्शाते हैं कि रिजर्व बैंक किस प्रकार काल–क्रम में हुई प्रगति के साथ कदम से कदम मिला कर आगे बढ़ा है। इसके दिल्ली कार्यालय के प्रवेश–द्वार पर प्रहरी की मुद्रा में खड़े यक्ष और यक्षिणी भारत की समृद्ध पौराणिक कथाओं को दर्शाती है।

डाक विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक के सम्मान में स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए गर्व का अनुभव करता है।

आभारः

मूल पाठ	:	प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित
डाक–टिकट एवं प्रथम दिवस आवरण	:	शंख सामंत
विरूपण	:	अलका शर्मा

The Reserve Bank of India

The Reserve Bank of India, established on April 01, 1935 has just entered its 75th year. The fundamental objective of establishing the RBI was the unification of the authority to discharge functions which hitherto were undertaken by the Government's Currency Department and the Imperial Bank of India, thereby enabling pooling of the country's monetary reserves and their deployment in accordance with the needs of the economy.

RBI was primarily constituted to regulate the issue of banknotes, maintain reserves with a view to securing monetary stability and to operate the credit and currency system of the country to its advantage.

Today, on a very broad basis, the Bank's major focus areas are :

- Monetary Stability which involves conduct of monetary policy that promotes the achievement of sustainable long-term growth;
- Financial Stability which involves Regulation and Supervision to promote a safe, sound, competitive and accessible banking & financial system ensuring inter alia adequate flow of credit to various sectors of the economy;
- The integrity, efficiency Management as a retail component of the payments system;
- Provision of Services such as banking and debt management to the Government;
- Developmental role from institution building to developing and deepening markets and creating an enabling environment; and
- To advise the Government on economic issues and provide primary data related to Banking and Finance and Balance of Payments (BoP) Statistics amongst others;

Geographically, in terms of expansion of the central bank's reach over the years, the RBI has adopted an incremental approach which has seen the opening of its offices as and when a need has been felt. New offices cater to specific interests of such areas, as the newly-

created states of Chhattisgarh, Jharkhand and Uttarakhand. The main focus of its decentralization has been to maximize the engagement of RBI in the local development processes as also to ensure that the financial concerns of all sections of the population of these areas, specially the vulnerable and marginalized groups, are adequately addressed.

This multifaceted content requires vastly different competencies in terms of infrastructure and human resources. To support this work content, today the Bank has about 21,000 employees in various categories and a quasi-federal organizational structure with a Central Office located in Mumbai having 26 Departments along with 29 offices spread over the entire country mainly in State capitals. The various structures housing the offices of the RBI, from its first headquarters at Council House Street, Kolkata, to its current headquarters at Mumbai, reflect how the RBI has kept in step with progress over the years, while the Yaksha & Yakshini standing guard at the entrance to its Delhi office amalgamate India's rich mythological past.

The Department of Posts is happy to honour the Reserve Bank of India with a commemorative postage stamp.

Credits:

Text	:	Based on the material provided by the proponents.
Stamp & FDC	:	Sankha Samanta
Cancellation	:	Alka Sharma

भारतीय डाक

India Post

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख	:
Date of Issue	: 16-01-2010
मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500p
मुद्रित डाक-टिकटे	: आठ लाख
Stamps Printed	: 0.8 Million
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट-ऑफसेट
Printing Process	: Wet-offset
मुद्रक	: भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक
Printer	: India Security Press, Nasik

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास हैं।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department

मूल्य : रू 2.00 **Price: Rs. 2.00**

Designed and produced by the Department of Posts and printed at New Model Impex Pvt. Ltd., Delhi